ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

तताँरा वामीरो कथा

कक्षा - दसवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ६
पाठ का नाम : तताँरा वामीरो कथा
PPT-2

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

तताँरा वामीरो कथा पाठ की व्याख्या

1.अंदमान द्वीप समूह का अंतिम दक्षिणी द्वीप है----------वह भागा -भागा वहाँ पहुँच जाता।

अंतिम - आखरी
पोर्ट ब्लेयर - अंदमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी
श्रृंखला - सीमा
आदिम - प्राचीन
विभक्त - अलग –अलग
सदियों पूर्व - बहुत समय पहले
सदैव - हमेशा
तत्पर - तैयार
समूचे - सारे
स्मरण - याद

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(लेखक अंदमान -निकोबार के बारे में जानकारी दे रहा है)
अंदमान द्वीप समूह का आखरी द्वीप लिटिल अंदमान है जो अंदमान के दक्षिण में स्थित है। यह अंदमान निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेयर से लगभग सौ किलोमीटर दूर है। इसके बाद ही निकोबार द्वीपसमूह की सीमा शुरू होती है। ये जगह निकोबारी जनजाति की प्राचीन संस्कृति का केंद्र मानी जाती है।निकोबार द्वीपसमूह का जो पहला द्वीप है उसे कार - निकोबार के नाम से जाना जाता है जो लिटिल अंदमान से लगभग 96 किलोमीटर दूर है। निकोबार के निवासियों का मानना है कि पुराने समय में ये दोनों द्वीप एक ही थे। इनके अलग -अलग होने के पीछे एक लोककथा बताई जाती है ,जिसका वर्णन आज भी वहाँ के लोग करते हैं।
बहुत समय पहले ,जब लिटिल अंदमान और कार -निकोबार एक साथ जुड़े हुए थे ,तब वहाँ एक बहुत सुंदर गाँव हुआ करता था। उसी गाँव के पास में ही एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। जिसका नाम तताँरा था। निकोबार के सभी व्यक्ति उससे बहुत प्यार करते थे। इसका एक कारण था कि तताँरा एक भला और सबकी मदद करने वाला व्यक्ति था। वह हमेशा ही दूसरों की सहायता के लिए तैयार रहता था। वह केवल अपने गाँव वालों की ही नहीं बल्कि पुरे द्वीपवासियों की सेवा या मदद करना अपना सबसे बड़ा कर्तव्य समझता था। उसके इसी त्याग भाव की वजह से लोग उसे जानते थे और सभी उसका आदर भी करते थे। जब भी कोई मुसीबत में होता तो हर कोई उसी को याद करता था और वह भी भागा -भागा वहाँ उनकी मदद करने के लिए पहुँच जाता था।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

2.दूसरे गाँव में भी पर्व -त्योहारों के समय .....बीच -बीच में लहरों का संगीत सुनाई देता।

विशेष - मुख्य
आमंत्रित - बुलाना
आत्मीय - अपना
अद्भुत - अनोखी
साहसिक कारनामें - सहस से पूर्ण कार्य
विलक्षण - जिज्ञासा उत्पन्न करने वाला
रहस्य - राज,जो कोई न जानता हो
अथक - कठोर
क्षितिज - जहाँ धरती और आसमान मिलते हुए प्रतीत हों
बयारें - हवाएँ
शनैः शनैः - धीरे धीरे

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(यहाँ लेखक तताँरा के व्यक्तित्व का वर्णन कर रहा है)
दूसरे गाँव में भी जब कोई पर्व या त्यौहार होता तो तताँरा को उसमें मुख्य रूप से बुलाया जाता था। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही उसके साथ ही साथ लोगों का उसके करीब रहने का एक सबसे बड़ा कारण था उसका सबको अपना मानने का स्वभाव। तताँरा हमेशा अपनी पारम्परिक पोशाक ही पहनता था और हमेशा अपनी कमर में एक लकड़ी की तलवार को बाँधे रखता था। लोगों का मानना था कि उस तलवार में लकड़ी के होने के बावजूद भी अनोखी दैवीय शक्तियाँ हैं। तताँरा कभी भी अपनी तलवार को अपने से अलग नहीं करता था। वह दूसरों के सामने तलवार का प्रयोग भी नहीं करता था। परन्तु उसके सहस से पूर्ण कार्यों के कारण लोगों का तलवार में अनोखी शक्ति होने पर विश्वास था। तताँरा की तलवार जिज्ञासा पैदा करने वाला एक ऐसा राज था जिसको कोई नहीं जानता था। एक शाम को तताँरा दिन भर की कठोर मेहनत करने के बाद समुद्र के किनारे घूमने के लिए चल पड़ा। समुद्र में जहाँ धरती और आसमान के मिलने का आभास हो रहा था, वहाँ सूरज डूबने वाला था। समुद्र से ठंडी ठंडी हवाएँ आ रही थी। शाम के समय पक्षियों की जो चहचहाहटें होती हैं वे भी धीरे -धीरे शांत हो रही थी। तताँरा का मन भी शांत था। अपने ही विचारों में खोया हुआ तताँरा समुद्री बालू पर बैठ कर सूरज की आखरी किरणों को समुद्र के पानी पर देख रहा था जो बहुत रंग -बिरंगी लग रही थी। तभी कहीं से उसे मधुर संगीत सुनाई दिया जो उसी के आस पास कोई गा रहा था। ऐसा लग रहा था कि गीत उसी के ओर बहता हुआ आ रहा हो। बीच -बीच में समुद्र की लहरों का संगीत भी सुनाई पड़ता था।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

3.गायन इतना प्रभावी था कि वह अपनी सुध.....यह तुम भी जानते हो।"

गायन - गीत
सुध बुध - होश हवास
तन्द्रा - नींद आने से पहले की अवस्था
चैतन्य - होश में आना
विवश - मजबूर
विकल - बैचेन
बेसुध - जिसे कोई ख़बर न हो
निःशब्द - जो कुछ न बोल रहा हो
विस्मित - आश्चर्यचकित
बेरुखी - नाराजगी
असंगत - अनुचित
बाध्य - विवश

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

जो गीत तताँरा को सुनाई दे रहा था, वह इतना अधिक प्रभावी था कि तताँरा उस गीत को सुन कर अपना होश हवास खोने लगा था। गीत सुनते हुए तताँरा की अवस्था ऐसी हो गई थी जैसी अवस्था नींद आने से पहले होती है, इस अवस्था को लहरों की एक तेज़ लहर ने तोड़ा। होश में आते ही तताँरा उस दिशा में बढ़ने के लिए मजबूर हो गया जहाँ से वो गीत सुनाई दे रहा था। तताँरा बैचेन मन से उस दिशा की ओर बढ़ता गया। आखिरकार तताँरा की नज़र एक युवती पर पड़ी उस ढलती हुई शाम के सुंदर दृश्य को बिना किसी ख़बर के कि आस पास क्या हो रहा है, वह युवती एकटक नजर से समुद्र के ऊपर पड़ते हुए सूरज की किरणों के सुंदर रंगों को देख कर गाना गा रही थी। यह एक प्रेम भरा गीत था।
उस युवती को यह पता नहीं था कि कोई युवक उसे बिना कुछ बोले बस देखता जा रहा है। उसी समय अचानक एक ऊँची लहर उठी और उसको भिगो कर चली गई। इस तरह अचानक भीगने से वह युवती हड़बड़ा गई और अपना गाना भूल गई। इससे पहले कि वो अपने आपको सम्भाल पाती उसे एक आकर्षक परन्तु भारी आवाज़ सुनाई दी।
तताँरा ने बहुत ही विनम्र तरीके से उस युवती से पूछा 'तुमने अचानक इतना सुरीला और अच्छा गाना अधूरा ही क्यों छोड़ दिया ?'

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

3.अपने सामने एक सुंदर युवक को देख कर.....उसके चहरे पर सच्ची विनय थी।

सम्मोहित - मुग्ध किया हुआ
विनय - प्रार्थना
झुँझला - चिढ़ना
ढीठता - दुःसाहस
विचलित - अस्थिर
विवशता - लाचारी

(यहाँ लेखक वर्णन कर रहा है कि तताँरा किस तरह अपने होश हवास खोए हुए था)
ऐसा लग रहा था मानो तताँरा अपने होश हवास में नहीं था। युवती के प्रश्न का जवाब देने की जगह वह अपने ही प्रश्न को दोहराए जा रहा था कि तुमने गाना क्यों रोक दिया ? गाओ न, अपना गीत पूरा करो। तुमने सच में बहुत सुरीला कण्ठ पाया है ,तुम बहुत अच्छा गाना गाती हो।
तताँरा के दूसरी बार वही प्रश्न दोहराने पर युवती ने कहा कि "ये तो मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं है। सच बताओ कि तुम कौन हो ? लपाती गाँव में तो तुम्हें कभी देखा नहीं। "
तताँरा तो मानो उस गीत को सुन कर मुग्ध हो रखा था। उसके कानों तक युवती की आवाज़ ठीक से पँहुची ही नहीं। वह फिर से युवती से प्रार्थना करने लगा कि "तुमने गाना क्यों रोक दिया ? गाओ न। "

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

तताँरा के बार - बार एक ही प्रश्न को दोहराने के कारण युवती चिढ़ गई। वह कुछ और सोचने लगी क्योंकि तताँरा कुछ सुन नहीं रहा था । वह बस एक ही प्रश्न को बार -बार दोहरा रहा था। युवती ने एक बार फिर विपरीत स्वभाव के साथ कठोर शब्दों में कहा कि दुःसाहस की भी एक सीमा होती है। क्योंकि युवती बार - बार तताँरा से उसका परिचय पूछ रही थी और तताँरा एक ही प्रश्न को बार -बार दोहरा रहा था कि गीत गाओ - गीत गाओ। युवती ने कहा -आखिर मैं गीत क्यों गाऊं अर्थात मैं तुम्हारी बात क्यों मानूं ?क्या उसे गाँव का नियम नहीं मालूम कि एक गाँव का व्यक्ति दूसरे गाँव के व्यक्ति से बात नहीं कर सकता ? इतना कह कर वह युवती जाने के लिए तेज़ी से मुड़ी। उसके मुड़ते ही मानो तताँरा को कुछ होश आया। अब उसे अपनी गलती का एहसास हो रहा था। तताँरा उस युवती के सामने चला गया और उसका रास्ता रोक कर मानो उससे विनती करने लगा कि वह उसे माफ़ कर दे क्योंकि जीवन में पहली बार वो इस तरह अस्थिर हुआ है जहाँ उसे कोई होश ही नहीं रहा। तताँरा को ऐसा लगता है कि उस युवती को देख कर ऐसा हुआ है। तताँरा लाचारी के साथ प्रार्थना करने लगा कि तुम बस अपना नाम बता दो मैं तुम्हें जाने दूंगा। तताँरा की आँखे युवती के चेहरे से हटने का नाम ही नहीं ले रही थी। प्रार्थना करते हुए तताँरा के चेहरे पर सच्चाई दिखाई दे रही थी।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

4."वा.... मी..... रो....." एक रस घोलती…….. याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ।

याचना - प्रार्थना
अन्यमनस्कतापूर्वक - बिना सोचे समझे
निहारना – देखना
झल्लाहट - बौखलाहट
सम्मुख - सामने
बलिष्ठ - बलवान
परम्परा - रीति रिवाज
श्रेयस्कर - कल्याणकर
निर्निमेष - बिना पालक झपकाए

तताँरा द्वारा नाम पूछे जाने पर युवती ने जवाब दिया " वामीरो " यह नाम सुनना तताँरा को ऐसा लगा जैसे उसके कानों में किसी ने रस घोल दिया हो। तताँरा बार -बार नाम को दोहराने लगा "वामीरो.... वामीरो.... वाह कितना सुंदर नाम है। " तताँरा प्रार्थना भरे शब्दों में पूछने लगा कि वह कल भी आएगी या नहीं। वामीरो ने बिना सोचे समझे ही कह दिया " नहीं शायद कभी नहीं " इतना कह कर वह झटके से अपने गाँव लपाती की ओर बिना किसी की परवाह किये दौड़ पड़ी। उसे पीछे तताँरा के वाक्य सुनाई पड़ रहे थे। तताँरा कह रहा था कि वामीरो.... उसका नाम तताँरा है। कल वह वही चट्टान पर उसकी प्रतीक्षा करेगा ,उसका रास्ता देखेगा। वह वामीरो को जरूर आने के लिए कहता है। वामीरो बिना रुके भागती रही। तताँरा उसे जाते हुए देखता ही रहा।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(यहाँ लेखक ने तताँरा से मिलने के बाद वामीरो की स्थिति का वर्णन किया है)
जब वामीरो अपने घर पहुँची तो अपने अंदर कुछ बैचेनी का अनुभव करने लगी। उसके अंदर तताँरा से पीछा छुड़ाने की जो ख़ुशी थी वह झूठी थी। बौखलाहट में उसने दरवाजा बंद किया और अपने मन को तताँरा की ओर जाने से रोकने के लिए किसी और दिशा में ले जाने की कोशिश की। परन्तु बार -बार कोशिश करने के बाद भी तताँरा का प्रार्थना से भरा हुआ चेहरा उसकी आँखों के सामने आ जाता था। उसने तताँरा के बारे में बहुत सी कहानियाँ सुनी थी।उसकी सोच में तताँरा एक बहुत ही अधिक शक्तिशाली युवक था। परन्तु वही तताँरा जब वामीरो के सामने आया तो बिलकुल अलग ही रूप में था। वह सुंदर और शक्तिशाली तो था ही साथ ही साथ वह बहुत शांत ,समझदार और सीधा साधा था। वह बिलकुल वैसा ही था जैसा वामीरो अपने जीवन साथी के बारे में सोचती थी। परन्तु दूसरे गाँव के युवक के साथ उसका सम्बन्ध रीति रिवाजों के विरुद्ध था। इसलिए वामीरो ने तताँरा को भूल जाना ही समझदारी समझा। परन्तु यह आसान नहीं लग रहा था क्योकि तताँरा बार -बार उसकी आँखों के सामने आ रहा था जैसे वह बिना पलकों को झपकाए उसकी प्रतीक्षा कर रहा हो।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

4.किसी तरह रात बीती। दोनों के ह्रदय ……भी वहीँ खड़ा था..... निश्चल..... शब्दहीन.....।

व्यथित - अप्रसन्न
आँचरहित - बिना गर्मी का
ऊबाऊ - बेकार
अचंभित - आश्चर्यचकित
आशंका - शक
आस – उम्मीद
सहसा - अचानक
निहारना - देखना
सचेत - होश में आना
निश्चल - जो अपने स्थान से हटे नहीं
शब्दहीन - जो कुछ न बोल सके

तताँरा और वामीरो दोनों ने दुखी मन से किसी तरह रात गुजारी। किसी तरह गर्मी से रहित ठंडा और बेकार सा दिन गुजरने लगा। दोनों को ही शाम का इंतज़ार था। तताँरा के लिए तो मानो ये उसकी पूरी ज़िन्दगी की पहली और अकेली प्रतीक्षा थी। उसके गहरे और शांत जीवन में ऐसा पहली बार हुआ था जब उसे बेचैनी से किसी का इंतज़ार था।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow